VEDANT PUBLIC SCHOOL

ISANPUR, AHMEDABAD - 382443.

DATE: તારીખ :	SUBJECT: વિષય :	Roll No.: બેઠક નંબર :
STD.: ધોરણ :	Suppl. No.: પૂરવણી :	Supervisor's Sign./ નિરીક્ષકની સહી

Std 5th Sub - Hindi

Exam:- S.A. 1 [2019-20]

Ch-3

* सोचो और लिखो,

* गणित का गृहकार्य न कर पाने पर अध्यापिका को क्षमा-याचना पत्र लिखो –

(Write an application to your class teacher for not doing maths homework.)

सेवा मे

कक्षा अध्यापिका

ज्ञान भारती विद्यालय (विद्यालय)

साकेत, नई दिल्ली – 110017

दिनांक 17.02.xx

विषय : गृहकार्य न करने के लिए क्षमा-याचना

महोदया

सविनय निवेदन है कि आज मैं गणित का गृहकार्य कक्षा में प्रस्तुत नहीं कर पाई (पाया) जिसके लिए मैं क्षमा-प्रार्थी हूँ। वास्तव में कल मेरे घर दादी

[2]

जी के जन्मदिन पर पुरा परिवार एकत्र हुआ। रात देर तक खाना-पीना चलता रहा। माँ की मदद करने मे व्यस्त थी/था इसलिए गृहकार्य करने का समय नही मिला। मैं आज उसे अवश्य पुरा कर लूँगी/लूँगा। आशा है, आप मुझे क्षमा कर देंगी।

धन्यवाद

आपकी/आपका/शिल्पा/शिल्प

VEDANT PUBLIC SCHOOL

ISANPUR, AHMEDABAD - 382443.

DATE : तारीख :	SUBJECT : विषय :	Roll No. : બેઠક નંબર :
STD. : ધોરણ :	Suppl. No. : પૂરવણી :	Supervisor's Sign./ નિરીક્ષકની સહી

Std 5th Sub- Hindi

Ch- 4

* सोचो और लिखो

* कक्षा - पिकनिक के बारे में बताते हुए मित्र को पत्र लिखो —

उदाहरण:→ B-5/154 यमुना विहार
दिल्ली 110053
दिनांक 12.01.xx

प्रिय तुषार
सप्रेम नमस्ते

मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ। आशा है तुम भी सकुशल होगे। आज मैं तुम्हें बहुत दिनों बाद पत्र लिख रहा हूँ। इसे लिखने का विशेष कारण यह बताना है कि हम 30 दिसंबर, बुधवार को कक्षा - पिकनिक पर पाल उद्यान (children park) गए थे, जो इंडिया गेट के पास है। इसमें तरह-तरह के झूले लगे हुए हैं जो बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र है। इन झूलों पर हम सब खूब झूले और मजा किया। सब बच्चे अपने-अपने

Scanned by CamScanner

घर से खाने के लिए कुछ न कुछ ले गए थे। सबने मिलकर खाना खाया और तरह - तरह के स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

बच्चे क्रिकेट खेलने के लिए घर से बैट और बॉल ले गए थे तथा कुछ बच्चों ने पकड़म - पकड़ाई और ऊँच - नीच का खेल खेला। सबने वहाँ अंत्याक्षरी भी खेली। हमारी अध्यापिका भी हमारे साथ खेली और उन्होंने बच्चों के खेल में आनंद लिया। शाम तक सबने वहाँ खुशी - खुशी समय बिताया और फिर सब अपने - अपने घर चले गए। यह उद्यान बहुत बड़ा है। उद्यान में एक मछलीघर भी है। ~~क्योंकि~~ हालाँकि वह अच्छी हालत में नहीं है। जब तुम दिल्ली आओगे, हम माता - पिता के साथ बाल - उद्यान चलेंगे और मजे करेंगे।

घर में बड़ों को नमस्ते तथा छोटों को प्यार।

तुम्हारा प्रिय मित्र

अभिषेक

× ——— × ——— × ———

Std 5th Hindi (निबंध)

1* 'मेरी माँ'

1* 'माँ' शब्द की मिठास :-> माँ शब्द कितना मीठा है। इसे सुनते ही हृदय प्यार से भर जाता है।

2* मेरे प्रति माँ का प्रेम :-> मेरी माँ ममता की मूर्ति है। वह मुझे बहुत प्यार करती है। वह मेरे खाने-पीने, सोने-जागने आदि का पूरा ख्याल रखती है। वह हर तरह से मेरी देखभाल करती है। जब कभी मैं बीमार पड़ता हूँ, तब वह बेचैन हो जाती है वह तुरंत मुझे डॉक्टर के पास ले जाती है।

*3. माँ की नाराजगी :-> मुझसे कोई गलती हो जाने पर भी माँ मुझसे नाराज नहीं होती। वह चाहती है कि मैं बडा आदमी बनूँ और खूब नाम कमाऊँ। इसलिए वह मेरी पढ़ाई-लिखाई आदि का पूरा ख्याल रखती है। कोई सीख या जानकारी वह मुझको प्यार से देती है।

*4. माँ का स्वभाव :-> मेरी माँ का स्वभाव बहुत अच्छा है। वह खूब मेहनती है। माँ के हाथ का बना हुआ खाना मुझे बहुत अच्छा लगता है।

*5. माँ के प्रति मेरा कर्तव्य :-> मैं भी अपनी माँ से बहुत प्यार करता हूँ। उसे खुश रखना मैं अपना कर्तव्य समझता हूँ।

Scanned by CamScanner

Std - 5th - Sub- Hindi (निबंध)

* पेड़ - हमारे मित्र

1*. मनुष्य और पेड़ का संबंध :→ मनुष्य और पेड़ के बीच हमेशा गहरा संबंध रहा है। पेड़ बड़े परोपकारी होते है। पेड़ हमें शीतल छाया देते है।

2*. पेड़ो से लाभ :→ हमें पेड़ो से फल - फुल प्राप्त होते है। मकान और फर्नीचर के लिए जरूरी लकड़ी पेड़ो से ही मिलती है। पेड़ो की जड़ो, तने और पत्तों से बहुत - सी औषधियाँ बनती है। पेड़ो के कारण हवा शुद्ध रहती है और वर्षा भी अधिक होती है। पेड़ो की हरियाली से वातावरण सुंदर बनता है। पेड़ हमें प्राणवायु देते है और हमारे उच्छवासो से निकली अशुद्ध हवा स्वयं ले लेते है।

3*. भारतीय जीवन के अभिन्न अंग :→ सचमुच, पेड़ हमारे जीवन के अभिन्न अंग है। हमारे ऋषि - मुनि वनों में रहते थे। हमारे प्राचीन गुरुकुल भी वनों में रहते थे। इसलिए भारतीय जीवन पेड़ - पौधो के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

4*. पेड़ो का महत्व भूलने का परिणाम :→ आज हम पेड़ो का महत्व भूल गए है। हम पेड़ो की अंधाधुंध कटाई करते रहते है। इसके कारण हमारे वन - उपवन उजड़ गए है। पेड़ो का विनाश होने के कारण वर्षा कम होने लगी है। पानी के अभाव में बार - बार हमें अकाल का सामना करना पड़ता है।

Scanned by CamScanner

5*. पेड़ों का महत्त्व :> पेड़ो से मित्रता रखकर हम अपने पारियावरण को बचा सकते है। वायु प्रदुषण से बच सकते है। सचमुच, पेड़ो से मित्रता रखकर ही हम सुखी और सुंदर जीवन जी सकते है।